an>

Title: Need to re-open closed sugar mills in Basti Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री हरीशचन्द्र उर्फ हरीश द्विवेदी (बस्ती) : मेरे संसदीय क्षेत्र बस्ती (उत्तर प्रदेश) में गन्ना एक प्रमुख फसल होने के साथ-साथ किसानों के जीवन का आधार है। रहने के लिए मकान, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, बेटियों की शादी से लेकर किसानों के तमाम सपने गन्ने की फसल से मिलने वाले मूल्य पर ही निर्भर होते हैं। लेकिन कुछ सालों से गन्ना किसान मिल मालिकों और सरकार की उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं जिससे इनका व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। मेरे संसदीय क्षेत्र बस्ती में कुल चार चीनी मिलें थीं - बस्ती, वाल्टरगंज, मुण्डेरवा और रूधौली। वÂान 2002 में कतिपय कारणों से अचानक मुण्डेरवा चीनी मिल बन्द कर दी गई जिसके विरोध में किसानों ने आंदोलन किया। तीन किसान इस आंदोलन में अपनी जान तक गँवा बैठे, फिर भी मिल चालू नहीं हो सकी। वÂान 2012 में अपने बड़े दाने के लिए मशहूर बस्ती चीनी मिल को भी बंद कर दिया गया। तब से लेकर अब तक मिल गेट पर किसानों का अनवरत धरना चल रहा है, फिर भी स्थिति "जस की तस" है। दुर्भाग्य से इस वÂान वाल्टरगंज चीनी मिल को भी बंद कर दिया जा रहा है। बजाज ग्रुप द्वारा संचालित बस्ती और वाल्टरगंज चीनी मिलों में आर्थिक भ्रÂाचार व कर्मचारियों के शोÂाण की व्यापक शिकायतें मिल रही हैं। इसकी भी उच्चस्तरीय जाँच होनी चाहिए।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि मेरे संसदीय क्षेत्र के गन्ना किसानों की दशा पर गंभीरता से विचार करते हुए दोनों बंद हो चुकी मिलों को शीघ्र ही चालू कराया जाए तथा इस बार बंद हो रही वाल्टरगंज चीनी मिल को किसी भी दशा में बंद न होने दिया जाए।